में हैं, और उन में शौचालय की हालत तथा प्रकाश की व्यवस्था अत्यन्त बिगड़ी हुई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार उस गाड़ी में नये डिब्बे लगाने का है; और

(ग) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उप मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) जी नहीं। 201/202 अहमदाबाद मेल में चल रहे दूसरे दर्जे के सवारी डिब्बे 15 वर्ष की आयु सीमा के भीतर ही है। उनकी हालत संतोषजनक है।

दोनों टर्मिनलों पर शौचालयों की सही तौर पर धुलाई की जाती है तथा कीटाणु रहित किया जाता है और गन्ध नाशकों का प्रयोग किया जाता है। डिब्बों में रोशनी भी संतोषजनक ढंग से व्यवस्थित की जाती है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

संसद सदस्यों से शिकायतें

3340. **श्री राम विलास पासवान** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संसद सदस्यों द्वारा शिकायत करने पर भी रेलवे विभाग में कोई कार्यवाही नहीं की जाती है और शिकायत करने वाले संसद सदस्यों से पूछताछ किये बिना दोषी अधिकारियों से जांच करने के बाद मामले समाप्त कर दिये जाते हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि संसद सदस्यों से प्राप्त शिकायतों की कोई अलग सूची नहीं रखी जा रही है; और

(ग) गत एक वर्ष के दौरान संसद सदस्यों से कितनी लिखित शिकायतें प्राप्त हुई हैं और कितने मामलों में शिकायतें ठीक पाई गई, और अधिकारियों/कर्मचारियों को दण्डित किया गया ?

रेल मंत्रालय तथा संसदीय कार्य विभाग में उपमंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख) जी नहीं। संसद सदस्यों से प्राप्त शिकायतें प्रत्येक मामले की प्रगति पर निरन्तर निगरानी रखने के लिए अलग से सूचीबद्ध की जाती है। प्रत्येक शिकायत की जांच पड़ताल की जाती है और तथा-आवश्यक समुचित कार्रवाई की जाती है और संसद सदस्य को उत्तर भेजा जाता है।

(ग) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

रेलवे में खान-पान का स्तर

3341. **श्री राम विलास पासवान** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि रेलवे में खाने पीने की चीजों का स्तर दिन प्रति दिन घटता जा रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि विभागीय खान-पान व्यवस्था की तुलना में गैर सरकारी खान-पान व्यवस्था द्वारा सेवित खाद्य पदार्थ घटिया किस्म के हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि दिल्ली से चलने वाली तिनसुखिया मेल गाड़ी से घटिया किस्म का भोजन दिया जाता है और एक संसद सदस्य ने इस बारे में उन्हें कई बार लिखित शिकायतें भेजी है।